दैनिक भास्कर
सहरसा-मधेपुरा / सुपौल भास्कर 20-12-2025

कार्यक्रम • उदाकिशुनगंज में जैव विविधता संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन

जैव विविधता की पहचान, संरक्षण और संवर्धन को लेकर किया गया जागरूक

भास्कर न्यूज | उदाकिशुनगंज (मधेपुरा)

अनुमंडल मुख्यालय स्थित मां सरिता विवाह भवन में शुक्रवार को जैव विविधता संरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

यह कार्यक्रम जैव विविधता अधिनियम के तहत जैव विविधता विरासत स्थल घोषित करने की प्रक्रिया, उसके उद्देश्य और महत्व पर केंद्रित रहा। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर जैव विविधता की पहचान, संरक्षण और संवर्धन को लेकर जन-जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में बिहार राज्य जैव विविधता परिषद, पटना के उपनिदेशक मिहिर कुमार झा ने जैव विविधता अधिनियम की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य के विशिष्ट जैविक, भौगोलिक एवं पारिस्थितिक महत्व वाले क्षेत्रों को जैव विविधता विरासत स्थल घोषित किया जा सकता है। ऐसे स्थल वन्यजीव, वनस्पति, भू-आकृतिक संरचनाओं, जलस्रोतों, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय जैव संसाधनों के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक हेमकांत राय एवं बिहार ग्रामीण बैंक के प्रतिनिधि मैनेजर सत्यजीत सुमन ने कहा कि जैव विविधता विरासत स्थल घोषित होने से न केवल क्षेत्र की पारिस्थितिकी को संरक्षण मिलता है, बल्कि स्थानीय समुदायों की सक्रिय सहभागिता भी सुनिश्चित होती है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में प्रारंभिक सर्वेक्षण, स्थानीय संस्थानों व विवि द्वारा वैज्ञानिक अध्ययन तथा जैव विविधता परिषद के तकनीकी सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यशाला में यह भी बताया गया कि बिहार में कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां जैव विविधता समृद्ध है, लेकिन उनकी विधिवत पहचान नहीं हो सकी है।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि।